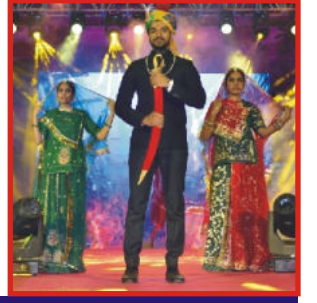




JNU Just In

An initiative of School of Media Studies



JNU Just In | Jaipur | September 2023 | Vol.: 6 | Issue: 09 | Pages: 4 | Price: 1 | Monthly Bilingual (Hindi/English)

सफलता प्राप्त के लिए जीवन में मूल्य जरूरी : डॉ संदीप बक्शी



“माँ का प्यार जीवन में सबसे बड़ा उपहार है”। वर्तमान समय की ज़रूरत है कि विद्यार्थी अपने मनोबल को बढ़ाकर अपने जीवन को सफल बनाएं। इसके लिए स्टूडेंट्स अपने गुरु के दिखाए मार्ग पर चलें। ये बातें बॉलीवुड अभिनेत्री और फिटनेस एंड फैशन आइकन शिल्पा शेटी ने स्टूडेंट्स को सम्बोधित करते हुए जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, जयपुर में कहीं। अपनी फिटनेस और योगा के लिए यूथ के बीच प्रसिद्ध शिल्पा ने मौजूदा समाज में महिलाओं के प्रति रूढ़िवादी सोच पर बात की। जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ संदीप बक्शी ने स्टूडेंट्स को सम्बोधित करते हुए कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए जीवन में मूल्यों का होना जरूरी है। शिल्पा शेटी जेएनयू में अपनी आने वाली फिल्म “सुखी” का प्रमोशन करने के लिए आई थीं। साथ ही उन्होंने स्टूडेंट्स के द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए और फिल्म के हुक स्टेप पर डांस किया।

500 टीमों के 5000 प्रतिभागियों ने दिखाया टैलेंट

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय टैलेंट महाकुंभ टेक्नोराज 2023 की शुरुआत हुई। जेएनयू के विद्यार्थियों ने टेक्नोराज 2023 के पूरे प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालकर अपने टैलेंट और प्रबंधकीय कौशल, टीम लीडरशिप आदि का प्रदर्शन किया। उत्सव के पहले दिन फैशन शो, रलैम अप, शोफ इन मेकिंग, रोबोथॉन जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। जेएनयू के चांसलर डॉ. संदीप बक्शी ने जानकारी देते हुए कहा कि ब्राइडल थीम की रैंप वॉक इस बार का मुख्य आकर्षण रहा। इस उत्सव में जेएनयू के अलावा अलग अलग प्रदेशों से आए लगभग 5000 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने म्यूज़िक, डांस और फैशन शो में अपना टैलेंट का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।



संपादक की कलम से.. ✍️

कोर्ट का नहीं है यह हर नागरिक का काम है क्योंकि नागरिक किस देश का रहने वाला है यह उसे तय करना है ना कि सरकार या कोर्ट को। विपक्षी पार्टी इसे प्रसिद्धि पाने का हथियार बताते हैं जबकि सरकार के लोग इसकी वजह को एतिहासिक और पौराणिक बताते हैं। उनका कहना है कि पहले नाम भारत था, फिर मुगलों के काल में इसका नाम हिंदुस्तान या हिंद हुआ। अंग्रेजों ने पहले सिंधु नदी को उन्होंने इंडस नाम दिया और फिर हिंद को इंडिया।

इतिहासकारों ने इस देश के अन्य नामों का जिक्र भी किया है। उन्होंने कहा कि हमारे देश ने मेलुहा से लेकर, भारत/भारतवर्ष, आर्यवर्त, जम्बूद्वीप, हिंद/हिंदुस्तान, इंडिया तक का सफर किया है। मेलुहा नाम मेसोपोटामिया के प्राचीन साहित्य में सिंधु घाटी सभ्यता को दिया गया नाम का उल्लेख है। भारत नाम पुराणों में उस जगह को कहा गया है जो दक्षिण में समुद्र से उत्तर की ओर एवं उत्तर दिशा में स्थित बर्फाले पहाड़ों से दक्षिण के बीच में स्थित है। इसी तरह बाकी के नामों का उल्लेख किया गया है। इंडिया नाम अंग्रेजों ने दिया है इस देश को।

इस तरह का नाम परिवर्तन देश के उन हिस्सों को अलग-थलग कर सकता है जो 'भारत' के बजाय 'इंडिया' नाम को प्राथमिकता देते हैं। देश के नाम के संबंध में सार्वजनिक भावनाएँ और क्षेत्रीय प्राथमिकताएँ विविध हैं तथा किसी भी निर्णय में इस पर विचार किया जाना चाहिये। इस परंपरा से किसी भी विचलन के सांस्कृतिक और अस्मिता संबंधी निहितार्थ उत्पन्न हो सकते हैं। अंग्रेजी में 'इंडिया' और हिंदी में 'भारत' का उपयोग, भारत की भाषाई विविधता को दर्शाता है और इसे विवेकपूर्ण एवं संवैधानिक रूप से सही माना जाता है। सवाल यह उठता है कि एक ऐसे समय जब देश अन्य चुनौतियों (बेरोजगारी, पर्यावरणीय गिरावट, गरीबी, स्वास्थ्य देखभाल, असमानता, लिंग भेदभाव आदि) का सामना कर रहा है, तब देश के एक नाम पर दूसरे नाम को प्राथमिकता देने और इससे संबद्ध राजनीति क्या यथोचित है।

Glimpses of Technorazz



Technorazz- A platform for showcasing Talent: Dr. Sandeep Bakshi

On the second day of Technorazz-2023 Mahakumbh, JNU campus was illuminated with the presence of Indian Idol finalist Vibhor Parashar in the atmosphere of lighting and sounds. Vibhor is one of the youngest and famous artists in the Indian music industry. In the closing ceremony of Technorazz-2023 going on in JNU, about 5000 students from different universities and colleges of not only of Rajasthan but also of other states like Delhi, Bhopal, Indore, Ahmadabad, danced to the rocking performance in DJ nights, creating an atmosphere of joy and entertainment.

फोटोग्राफी के लिए क्या है बेहतर

कैमरा या स्मार्टफोन ?

आधुनिक स्मार्टफोन कैमरे अद्भुत हैं! उन्होंने फोटोग्राफी में एक ऐसी ऐसी सुविधाएं दी हैं जिनका कोई जवाब नहीं। मोबाइल फोन ने कैमरे, एप्स, संपादन और साझाकरण ने लोगों को रचनात्मक आउटलेट तक पहुंच प्रदान की है जो 15 साल पहले अकल्पनीय थी। यदि सबसे अच्छा कैमरा वह है जो आपके पास है, तो 10 में से 9 बार सबसे अच्छा कैमरा आपकी जेब में ही होता है! स्मार्टफोन कैमरों में प्रगति के बावजूद, अभी भी कुछ चीजें हैं जो अभी स्मार्टफोन कैमरों में नहीं हैं। इस आलेख में, हम बात करेंगे कि फोटोग्राफी के लिए समर्पित कैमरे स्मार्टफोन से बेहतर क्यों हैं। अगर कहा जाए कि कुछ तस्वीरें ऐसी हैं जिन्हें आप स्मार्टफोन से नहीं प्राप्त कर सकते।



सॉफ्टवेयर बनाम भौतिकी – मैं उस व्यक्ति की तरह नहीं बनना चाहता हूँ जो कहे कि आधुनिक तकनीक बेकार है क्योंकि मैं उन्हें उपयोग नहीं कर सकता। स्मार्टफोन कैमरे और कम्प्यूटेशनल फोटोग्राफी दोनों अविश्वसनीय हैं! वे रात के आसमान की अविश्वसनीय छवियों और धुंधली

पृष्ठभूमि के साथ पोर्ट्रेट-शैली की छवियों को कैप्चर करने के लिए सॉफ्टवेयर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग कर सकते हैं। लेकिन डिजिटल ट्रिकरी और सॉफ्टवेयर हेरफेर का प्रकाश और भौतिकी में महारत हासिल करने से कोई मुकाबला नहीं है, और यहीं पर समर्पित कैमरों को अभी भी बढ़त हासिल है।

अधिकांश स्मार्टफोन में ऐसे लेंस होते हैं जो पूर्ण-फ्रेम कैमरे पर लगभग 28 मिमी दृश्य क्षेत्र का अनुमान लगाते हैं। कुछ में दूसरा लेंस होता है जो थोड़ा चौड़ा होता है, आमतौर पर लगभग 15 मिमी। उच्च-स्तरीय मोबाइल फोनों में टेलीफोटो लेंस होना भी असामान्य नहीं है, जो

लगभग 50 मिमी लेंस के बराबर है।

लगभग सभी स्मार्टफोन कैमरे एक ही एपर्चर मान पर अटके हुए हैं, जो आपको एक्सपोजर के एक प्रमुख तत्व पर सीमित नियंत्रण देता है। हालाँकि इन लेंसों और फोकल लंबाई की अंतर्निहित सीमाओं को दूर करने के लिए सॉफ्टवेयर में बहुत कुछ किया जा सकता है, कभी-कभी आपको शॉट लेने के लिए बस एक अलग कैमरे की आवश्यकता होती है।

धुंधली अग्रभूमि (Blur Foreground) – कोई भी स्मार्टफोन फूलों की तस्वीरें ले सकता है। यह विशेष छवि एक बैकलिट फूल को दिखाती है जिसकी पंखुड़ियाँ ऊपर और पीछे से पड़ने वाली सूरज की रोशनी से चमक रही हैं, और एक मोबाइल फोन इसे अच्छी तरह से कैद कर सकता है। हालाँकि, इस छवि का एक प्रमुख तत्व है जो स्मार्टफोन पर असंभव है – धुंधली अग्रभूमि।

स्मार्टफोन ने तथाकथित पोर्ट्रेट-शैली फोटोग्राफी के साथ एक लंबा सफर तय किया है। पोर्ट्रेट मोड में गहराई से डेटा के साथ संयुक्त सॉफ्टवेयर शामिल होता है जो स्मार्टफोन को पृष्ठभूमि को धुंधला करने की अनुमति देता है। अपने स्मार्टफोन से पोर्ट्रेट-शैली का फोटो लें, लेकिन अग्रभूमि में उन वस्तुओं को शामिल करें जिन्हें आप धुंधला करना चाहते हैं। पृष्ठभूमि धुंधली हो जाएगी, लेकिन अग्रभूमि फोकस में रहेगी।

आपकी तस्वीरों में गहराई और परिप्रेक्ष्य जोड़ने के लिए अग्रभूमि और पृष्ठभूमि दोनों को धुंधला करना एक समय-सम्मानित तकनीक है। शायद एक दिन मोबाइल फोन पर इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर और

Timeline

This Month...

September 2, 31 B.C. - Roman legions under Augustus Caesar defeated Mark Anthony's naval force at Actium.

September 28, 1066 - The Norman conquest of England began as Duke William of Normandy landed at Pevensey, Sussex.

September 25, 1513 - Spanish explorer Vasco Nunez de Balboa first sighted the Pacific Ocean after crossing the Isthmus of Panama.

September 28, 1542 - California was discovered by Portuguese navigator Juan Rodriguez Cabrillo upon his arrival at San Diego Bay.

September 4, 1609 - The island of Manhattan was discovered by navigator Henry Hudson.

Compiled by: Ms. Yogita Khurana

Vocabulary

Agency: The study of agency is to investigate where the influential action is in media studies. Agency refers to the active participant in media and that can be human, technological, software or something else.

.....

Access: The ability of media consumers to produce their own texts and to have those texts acknowledged by the agenda setting media. Also, the ability of media consumers to respond to the dominant media.

.....

Ad campaign: A series of related ads meant to work in tandem.

.....

Advertising: A message or group of messages designed with three intentions: to raise awareness in the population about brands, products and services; to encourage consumers to make purchases; and to inspire people to advocate for their favorite brands.

Compiled by: Dr. Vijay Singh

एआई तकनीक इसे दोहराने में सक्षम होंगे। लेकिन, अभी, यदि आप स्मार्टफोन का उपयोग कर रहे हैं, तो आप केवल पृष्ठभूमि धुंधलेपन में फंस गए हैं।

3. टेलीफोटो जूम – जबकि स्मार्टफोन कैमरे में एक दशक से अधिक समय से पिंच-टू-जूम क्षमताएं हैं, यह सिर्फ आपकी तस्वीरों को क्रॉप करने से ज्यादा कुछ नहीं है। आधुनिक स्मार्टफोन पिक्सल के बीच डेटा को प्रक्षेपित करने और तुरंत एक्सपोज़र मानों को समायोजित करने का बेहतर काम करते हैं, लेकिन दिन के अंत में, आप अभी भी केवल क्रॉप कर रहे हैं।

इस प्रक्रिया में, आप बहुत सारा विवरण खो देते हैं। और फिर भी, आप बहुत दूर तक जूम नहीं कर सकते। हाल की कुछ प्रगति के बावजूद, यह निश्चित रूप से उन चीजों में से एक है जिनमें स्मार्टफोन कैमरे की कमी है।

इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण चंद्रमा की तस्वीर है। स्मार्टफोन लेंस और भौतिकी के नियम, इस तरह की तस्वीरें असंभव बनाते हैं। यदि आपने कभी हमारे निकटतम खगोलीय पड़ोसी की चुटकी-और-जूम तस्वीर लेने की कोशिश की है तो आपने शायद ध्यान दिया होगा।

यदि आप दूर की वस्तुओं की स्पष्ट, विस्तृत तस्वीरें प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको एक समर्पित कैमरे की आवश्यकता होगी। और यह सिर्फ एक और कारण है कि समर्पित कैमरे स्मार्टफोन से बेहतर हैं। जबकि पिंच-एंड-जूम से ऐसा प्रतीत हो सकता है कि आप करीब आ रहे हैं, आपको मुद्रण और प्रेमिंग के लिए उपयुक्त एक तेज, उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाली छवि नहीं मिलेगी।

तकनीक से जुड़ी हर चीज़ की तरह, यह बेहतर हो रहा है और समय के साथ इसमें सुधार होगा। कुछ फोन अब 10x या 100x जूम लेंस की नकल करने के लिए सॉफ्टवेयर और AI प्रोसेसिंग के साथ संयुक्त स्टैकड पेरिस्कोप-शैली लेंस का उपयोग कर रहे हैं। अभी, ये दिलचस्प तकनीकी डेमो बनाते हैं, लेकिन परिणामों में उतनी स्पष्टता, रंग और निष्ठा नहीं है जितनी आपको जूम लेंस के साथ डीएसएलआर या मिररलेस कैमरे से मिलेगी।

पृष्ठभूमि संपीड़न (Background Compression)
– स्मार्टफोन की तुलना में समर्पित कैमरे बेहतर

होने का एक अन्य कारण पृष्ठभूमि संपीड़न है जब आप टेलीफोटो जूम के साथ फोटो शूट करते हैं तो कुछ दिलचस्प होता है: पृष्ठभूमि आपके विषय के करीब जाती हुई प्रतीत होती है। इसे पृष्ठभूमि संपीड़न कहा जाता है और यह आपके विषयों को अलग दिखाने और आपकी छवियों को दूसरे स्तर तक ले जाने के लिए एक समय-सम्मानित रचना तकनीक है। स्मार्टफोन पर ऐसा करना भी असंभव है। हालाँकि कुछ स्मार्टफोन कैमरों में कुछ सीमित जूम क्षमता होती है, लेकिन उनके छोटे लेंस और छवि सेंसर इस प्रकार की तस्वीरों की अनुमति नहीं देते हैं।

त्वरित कार्रवाई (Fast action) – स्मार्टफोन कुछ प्रकार की तेज़ कार्रवाई को कैप्चर करने में अच्छे होते हैं। हालाँकि, ये स्थितियाँ काफी सीमित हैं। आपको अपने विषय के करीब रहना होगा, जो कई कार्य स्थितियों में संभव नहीं है। यदि आप उस विशिष्ट क्षेत्र पर फोकस लॉक कर सकते हैं जहाँ आप जानते हैं कि विषय होगा, या फिर आपके पास अद्भुत ऑटोफोकस क्षमताओं वाला स्मार्टफोन है तो इससे भी मदद मिलती है। और यदि आप उन चुनौतियों का सामना कर सकते हैं, तो आपका फोन कुछ अच्छे परिणाम दे सकता है।

हालाँकि, बहुत तेज़ कार्रवाई के लिए, आपको एक डीएसएलआर या मिररलेस कैमरा की आवश्यकता होती है। एक अच्छा लेंस लगाने से भी मदद मिलती है। यह आपको अपने विषयों के करीब और व्यक्तिगत होने के दौरान किनारे पर खड़ा होने देगा। यह व्यापक एपर्चर के साथ शूट करने में भी मदद करता है, जो आपको तेज़ शटर गति प्राप्त करने और कार्रवाई को स्थिर करने देगा।

स्मार्टफोन पर इस प्रकार के एक्शन शॉट्स असंभव हैं क्योंकि पिंच-टू-जूम से काम पूरा नहीं हो सकता है। आपको ऐसी तस्वीरें मिलेंगी जो पिक्सल युक्त, धुंधली या फोकस से बाहर हैं क्योंकि स्मार्टफोन एक समर्पित कैमरे की गति और क्षमता से मेल खाने में सक्षम नहीं हैं।

चित्र (Portraits) हाल के वर्षों में फोन पोर्ट्रेट में काफी बेहतर हो गए हैं। वास्तव में, कुछ लोग मोबाइल फोन पर ली गई पोर्ट्रेट-शैली की छवियों और एक समर्पित कैमरे से लिए गए वास्तविक पोर्ट्रेट के बीच अंतर भी नहीं बता पाते हैं।

Kathan

"It is only when we take chances, when our lives improve. The initial and the most difficult risk that we need to take is to become honest."

- Walter Anderson

.....

"Nature has given us all the pieces required to achieve exceptional wellness and health, but has left it to us to put these pieces together."

- Diane McLaren

.....

Success is not final; failure is not fatal: It is the courage to continue that counts."

- Winston S. Churchill

.....

"It is better to fail in originality than to succeed in imitation."

- Herman Melville

.....

"The road to success and the road to failure are almost exactly the same."

- Colin R. Davis

Compiled by: Mr. Rahul K Darji

मुझे भी कभी-कभी परेशानी होती है. आने वाले वर्षों में मोबाइल फोन और भी बेहतर होते जायेंगे। अभी के लिए, और निकट भविष्य में, समर्पित कैमरों का अभी भी एक महत्वपूर्ण लाभ है।

सॉफ्टवेयर और एआई, और कम्प्यूटेशनल हॉर्सपावर बहुत कुछ कर सकते हैं, लेकिन वे एक अच्छे लेंस और भौतिकी के साथ तालमेल नहीं बिठा सकते। आप पोर्ट्रेट मोड वाले मोबाइल फोन की तुलना में इस्तेमाल किए गए डीएसएलआर या मिररलेस कैमरे पर बहुत कम खर्च कर सकते हैं। स्मार्टफोन के कैमरे कमियों के बावजूद वे अविश्वसनीय तस्वीरें ले सकते हैं और तकनीक उन्हें समय के साथ बेहतर बनाएगी। उनकी सीमाओं को समझना और कुछ ऐसी तस्वीरों को समझना महत्वपूर्ण है जिन्हें वे अभी तक हासिल नहीं कर सके हैं।

राहुल मिताल
क्रिएटिव प्रोफेसर, जेएनयू